देहरादून (उत्तराखण्ड)
बृहस्पतिवार 16.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन पर विचार–विमर्श के लिए संसद की तीन दिन की विशेष बैठक आज से शुरू।
- प्रदेश सरकार ने आगामी चारधाम यात्रा, पर्यटन सीजन और शादी–विवाह के मद्देनज़र ईंधन आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।
- कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र में मखाना रोपण कर मखाना खेती की औपचारिक शुरुआत की।
- गढ़वाल मंडल के हिमालयी क्षेत्र में आज से 20 अप्रैल तक "सूर्य देवभूमि चैलेंज" का आयोजन किया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन पर विचार–विमर्श के लिए संसद की तीन दिन की विशेष बैठक आज से शुरू होगी। वर्ष 2023 में पारित इस विधेयक को लागू करने के लिए सरकार तीन संशोधन विधेयक पेश करेगी। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव है।

भाजपा, जेडीयू, लोक जन–शक्ति पार्टी (आर) और कांग्रेस सहित कई राजनीतिक पार्टियों ने दोनों सदनों के अपने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। जिसमें उन्हें सदन की कार्यवाही के दौरान मौजूद रहने और अपनी पार्टी के रुख का समर्थन करने का निर्देश दिया गया है।

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि विपक्षी दल महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं। लेकिन विधेयक को जिस तरीके से पेश किया जा रहा है, उस पर आशंका है।

पश्चिम एशिया संकट

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने देश भर में घरेलू एलपीजी की शत–प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की है। नई दिल्ली में अंतर–मंत्रालयी प्रेस वार्ता में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं।

चारधाम यात्रा

सरकार ने आगामी चारधाम यात्रा, पर्यटन सीजन और शादी–विवाह के मद्देनज़र ईंधन आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

देहरादून में आयोजित बैठक में खाद्य सचिव आनंद स्वरूप ने कहा कि यात्रा अवधि में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पर्यटन और शादी–विवाह के सीजन को ध्यान में रखते हुए आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है।

बैठक में तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि सभी एजेंसियों के माध्यम से निर्धारित मानकों के अनुरूप ईंधन आपूर्ति बनाए रखने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। जिलों से प्राप्त समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इसके साथ ही, एजेंसियों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर आपूर्ति प्रणाली को सुचारू और प्रभावी बनाए रखने पर भी बल दिया गया।

सी–प्लेन

विश्व प्रसिद्ध टिहरी बांध झील में अब जल क्रीड़ा के साथ हवाई पर्यटन की भी शुरुआत होने जा रही है। टिहरी झील में पहली बार सी–प्लेन के उतरने का ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन के नए आयाम खुलने की उम्मीद जगी है।

कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, आज भी टिहरी झील में सी–प्लेन का फिर से ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल पूरी तरह सफल होने के बाद इस परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के विजन के अनुरूप खेल और पर्यटन के माध्यम से टिहरी झील को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि टिहरी झील में सी–प्लेन सेवा शुरू होने से उत्तराखंड में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक तेज और सुगम हवाई संपर्क स्थापित हो सकेगा। साथ ही आपदा और राहत कार्यों में भी तेजी आएगी।

मखाना की खेती

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र में मखाना रोपण कर मखाना खेती की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि देश में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया गया है। यह बोर्ड उत्तराखंड सहित देश के 11 राज्यों में मखाना उद्योग को सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत वर्ष 2025–26 के अंतिम त्रैमास में उत्तराखंड को 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। हरिद्वार, देहरादून और उधम सिंह नगर स्थित कृषि केंद्रों के सहयोग से किसानों को मखाना उत्पादन के लिए प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

सूर्य देवभूमि चैलेंज

प्रदेश सरकार और भारतीय सेना के संयुक्त तत्वाधान में गढ़वाल मंडल के हिमालयी क्षेत्र में आज से 20 अप्रैल तक "सूर्य देवभूमि चैलेंज" का आयोजन किया जा रहा है।

लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज चोपड़ा ने बताया कि यह 113 किलोमीटर का धीरज आधारित आयोजन बद्री–केदार ट्रेल मार्ग पर चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में आयोजित किया जाएगा। इस ट्रेल में पंच–केदार के तीन धाम कल्पेश्वर, रुद्रनाथ और तुंगनाथ शामिल हैं।

इस आयोजन में कुल 300 प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें 200 पुरुष और महिलाओं के साथ ही 100 सेवा कर्मी शामिल हैं। विभिन्न आयु वर्गों के लिए 14 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

इस पहल का उद्देश्य साहसिक खेलों के माध्यम से विरासत संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय विकास को प्रोत्साहित करना है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत आयोजित यह प्रतियोगिता सीमावर्ती गांवों में रोजगार और पर्यटन के अवसरों को भी बढ़ाएगी।

यह आयोजन सेना की राष्ट्र निर्माण और जन–सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हेमकुंट साहिब

चमोली जिले में स्थित श्री हेमकुंट साहिब के पवित्र कपाट 23 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके मद्देनज़र यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी क्रम में भारतीय सेना की 418 माउंटेन ब्रिगेड की टुकड़ी और गुरुद्वारा ट्रस्ट के सेवादारों की संयुक्त टीम ने हेमकुंट साहिब ट्रैक से बर्फ हटाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। यह दल गोविंदघाट से घांघरिया के लिए रवाना हो चुका है।

इससे पूर्व, एक सप्ताह पहले भेजी गई रेकी टीम ने गोविंदघाट से हेमकुंट साहिब मार्ग का सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण के दौरान हेमकुंट साहिब और अटलकोटी ग्लेशियर क्षेत्र में आठ फीट से अधिक बर्फ जमी पाई गई।

संयुक्त टीम घांघरिया में प्रवास करते हुए प्रतिदिन भारी बर्फ को काटकर मार्ग को साफ करेगी।

प्रशासन के अनुसार, अगले तीन सप्ताह के भीतर पूरा मार्ग साफ कर लिया जाएगा, जिससे तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा मार्ग सुरक्षित और सुगम हो सकेगा।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर.....

महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक को आज सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है। इस खबर पर अमर उजाला का शीर्षक है– विपक्ष आरक्षण में साथ, परिसीमन के खिलाफ।

युद्धकाल में महंगाई 5 फीसदी तक बढ़ी– इस शीर्षके साथ हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है– आपूर्ति प्रभावित होने से खाद्य सामग्री से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम में इजाफा

बढ़ते तापमान पर दैनिक जागरण लिखता है– उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में पारा 35 पार।

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा के परिणाम पर नवोदय टाइम्स की सुर्खी है– 93 दशमलव सात शून्य प्रतिशत पास, लड़कियां फिर अव्वल। 94 दशमलव नौ नौ प्रतिशत लड़कियां सफल रहीं, वहीं 92 दशमलव छह नौ प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए।